गोपकवि कृत रामचंद्राभरण

श्री हरिविष्णु अवस्थी
टीकमगढ़, द्वारा
प्रदत्त पुस्तकें/ पत्रिकायें

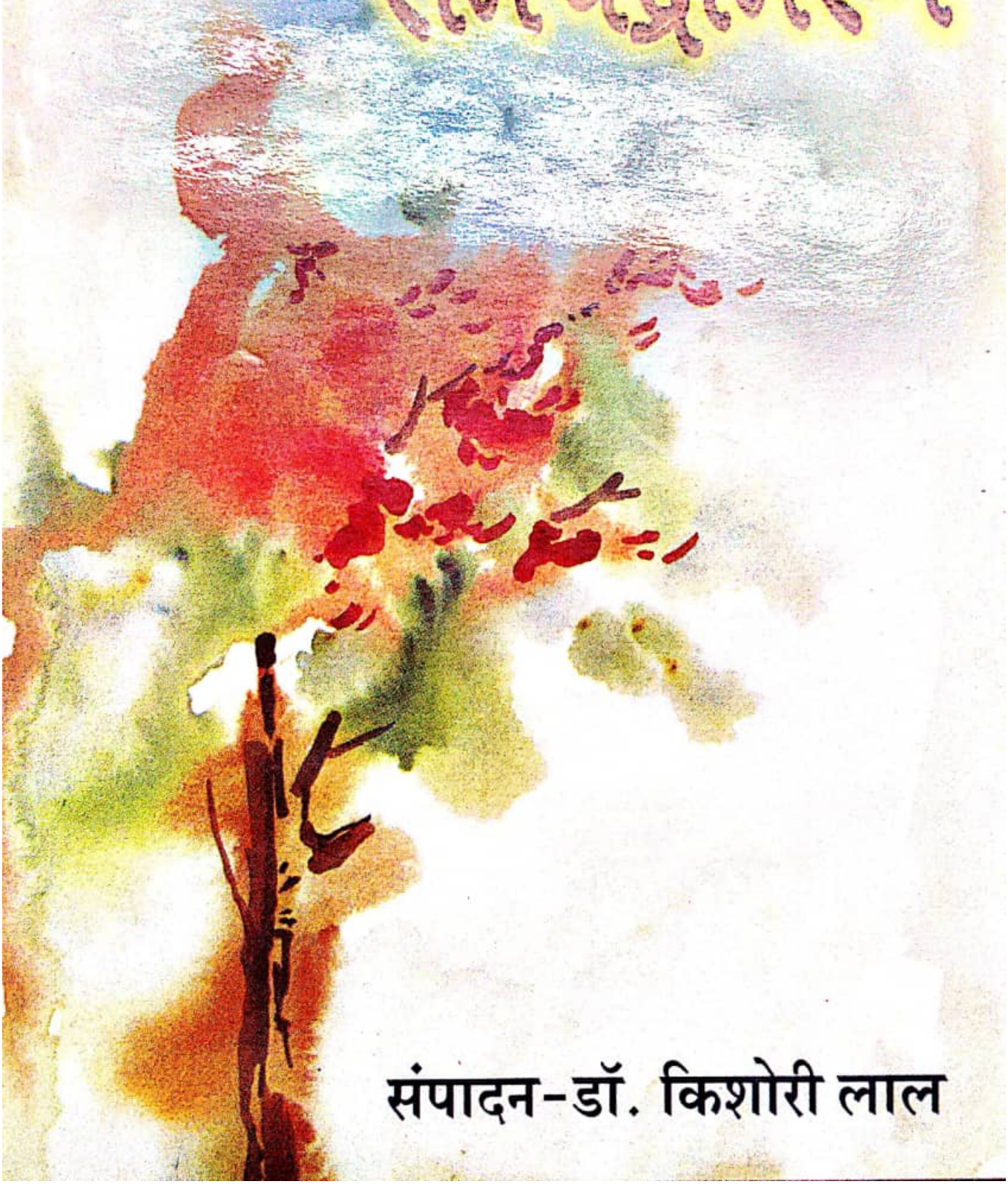

संपादन-डॉ. किशोरी लाल

Scanned with OKEN Scanner

ISBN : 81-88430-07-2

गोपकवि कृत रामचंद्राभरण

संपादक :
डॉ. किशोरी लाल

© लेखकाधीन

प्रथम संस्करण : २००३

मूल्य : ६० /- रुपए

प्रकाशक :
मनस्वी प्रकाशन
एम-८, कृष्णदीप कॉम्प्लेक्स
महारानी रोड, इन्दौर - ४५२ ००७

आवरण : निताई दास

मुद्रक :
प्रिन्टवेल, इन्दौर

Gopkavi krit Ramchandrabharan
Published by
Manasvi Prakashan
M-8, Krishnadeep Complex,
Maharani Road Indore - 452 007
First Edition : 2003
Price : Rs. 60/-

Scanned with OKEN Scanner

विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ
उपोद्घात-	११
१. रामचंद्राभरण का पाठ और सम्पादन-विधि	१२
२. कविवर गोप का जीवन-वृत्त	१४
३. संस्कृत साहित्य में अलंकार-निरूपण	१६
४. हिन्दी की अलंकार परम्परा	१८
५. विवेचन प्रक्रिया	१९
(क) सर्वांग निरूपक ग्रंथों में अलंकार- निरूपण	
(ख) चंद्रालोक की शैली में अलंकार- निरूपण	
(ग) कवित्त सवैया शैली में अलंकार- निरूपण	
६. आधुनिक शैली में निरूपित अलंकार ग्रंथ	२०
७. गोप का अलंकार निरूपण	२१
८. रामचंद्राभरण	२७

Scanned with OKEN Scanner

गोपकवि कृत रामचंद्राभरण

स्थान

अलंकार विषयक एक प्राचीन दु

सरस्वती श्रुतिमहती महीयताम्

क्लैसिकी शोध संस्थान

Manasvi Prakashan
Indore

मनस्वी प्रकाशन

एम-8, कृष्णदीप कॉम्प्लेक्स, महारानी रोड,
इन्दौर-452007 ✆ 0731-2430376

ई-मेल : **manasvimonthly@vsnl.net**

ISBN 81-88430-07-2
9788188430079